भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. +3242
सोमवार, 9 अगस्त, 2021/18 श्रावण, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

राष्ट्रीय पार्कों और वन्य-जीव अभयारण्यों में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देना

+3242. श्री विजय कुमार उर्फ विजय वसंत:
श्री राजीव प्रताप रूडी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वन और वन्य-जीव क्षेत्रों में इको-टूरिज्म के लिए सरकार ने हाल ही में नए दिशानिर्देश अनुमोदित किए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी विशेषताएं क्या हैं; और

(ग) क्या अधिसूचित वन और वन्य जीव रिजर्व में अवसरों को सुगम बनाने के लिए इको-टूरिज्म के मानको में छूट देने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय द्वारा इको पर्यटन को देश में विकास हेतु निश पर्यटन क्षेत्रों में से एक के रूप में अभिज्ञात किया गया है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने यह सूचित किया है कि उन्होंने हाल में वन एवं वन्यजीवन क्षेत्रों में इको पर्यटन संबंधी कोई दिशानिर्देश जारी नहीं किए हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने आजीविका के एक सतत स्रोत तथा स्थाई विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के माध्यम के रूप में स्थाई पर्यटन की असीम संभावनाओं को पहचाना है। तदनुसार पर्यटन मंत्रालय ने इको पर्यटन पर फोकस के साथ स्थाई पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्य नीति एवं रोड मैप का प्रारूप तैयार किया है। इस दस्तावेज़ को और अधिक व्यापक बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग जगत के हितधारकों से प्रतिक्रिया/ टिप्पणियां/ सुझाव आमंत्रित किए हैं।

पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत देश में थीम आधारित पर्यटक परिपथों का विकास कर रहा है। इको परिपथ तथा वन्य जीवन परिपथ इस योजना के तहत विकास हेतु अभिज्ञात 15 थीमेटिक परिपथों में शामिल हैं। स्वदेश दर्शन योजना के उद्देश्यों में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से रोजगार सृजन,समुदाय आधारित विकास और गरीबोन्मुख पर्यटन दृष्टिकोण का संवर्धन शामिल है। राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों द्वारा स्वदेश दर्शन योजना के तहत परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करना एक सतत प्रक्रिया है। इस योजना के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन तथा पहले जारी की गई निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है।

स्वदेश दर्शन योजना की इको परिपथ तथा वन्य जीव परिपथ थीम के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

राष्ट्रीय पार्कों और वन्य-जीव अभयारण्यों में इको-टूरिज्म को बढ़ावा **देना** के संबंध में दिनांक 09.08.2021 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +3242 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ और वन्यजीव परिपथ विषयों के तहत विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

राज्य/ स्वीकृति वर्ष	विवरण	स्वीकृत राशि
इको परिपथ		
उत्तराखण्ड (2015-16)	टिहरी झील के आसपास टिहरी-चंबा-सराएन में परिपथ का विकास।	69.17
तेलंगाना (2015-16)	महबूबनगर जिले में (सोमसिला, सिंगोतम, कदलाईवनम, अक्का महादेवी, इगलनपंता, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलाथीर्थम) परिपथ का विकास	91.62
केरल (2015-16)	पथनमथिट्टा - गावी- वागामोन-थेक्काडी का विकास	76.55
मिजोरम (2016-17)	आइजवाल-रापुईछिप-खावहपहवप-लेंगपुई- डर्टलांग - छतलांग-साकावरमुइतुएतलांग- मुथी- बेरातलांग-तुरियल एयरफील्ड- हमुईफांग में इको-एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37
मध्य प्रदेश (2017-18)	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध-बरगी बांध-भेड़ा घाट-बाणसागर बांध- केन नदी का विकास	94.61
झारखण्ड (2018-19)	दलमा - चांडिल- गेतालसूद- बेतला राष्ट्रीय उद्यान- मिरचैया-नेतरहाट का विकास	52.72
वन्यजीव परिपथ		
मध्य प्रदेश (2015-16)	पन्ना-मुकुंदपुर-संजय-डुबरी-बांधवगढ़-कान्हा-मुक्की-पेंच में परिपथ का विकास	92.22
असम (2015-16)	मानस - पोबीतोरा- नामेरी- काजीरंगा- डिब्रू-सैखोवा का विकास ।	94.68

*****